मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर के सभा (Court) की दिनांक 28 दिसम्बर, 2017 को पूर्वान्ह 11.30 बजे विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में सम्पन्न हुये तृतीय अधिवेशन के कार्यवृत्त।

बैठक में उपस्थिति निम्नवत रही:-

1. प्रो0 श्री निवास सिंह - अध्यक्ष
   कुलपति,
   मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,
   गोरखपुर

2. प्रो0 राजीव त्रिपाठी, - सदस्य
   निदेशक,
   एम0एन0एन0आई0टी0
   इलाहाबाद

3. प्रो0 कृपाशंकर, - सदस्य
   प्रोफेसर,
   इंडस्ट्रीयल मेकेनिकल इंजी0 विभाग,
   आई0आई0टी0 कानपुर

4. प्रो0 संजय के0 सिंह, - सदस्य
   आई0आई0एम0,
   लखनऊ।

5. श्री जयराम सिंह, - सदस्य
   अपर निदेशक कोषागार, गोरखपुर
   प्रतिनिधि प्रमुख सचिव,
   वित्त विभाग,
   उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ

6. प्रो0 अश्विनी कुमार मिश्र, - सदस्य
   क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, गोरखपुर
   प्रतिनिधि प्रमुख सचिव,
   उच्च शिक्षा विभाग
   उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ

7. डा0 सरोज कुमार, - सदस्य
विशेष सचिव, प्राविधिक शिक्षा विभाग,
उत्तर प्रदेश शासन,
प्रतिनिधि प्रमुख सचिव, प्राविधिक शिक्षा विभाग,
उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ

सभा के निम्नलिखित सदस्य अपरिहार्य कारणों से सभा के तृतीय अधिवेशन में प्रतिभाग करने में असमर्थ रहे:-

1. प्रो0 वी0के0 सिंह, कुलपति, दी0द0उ0 गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
2. प्रो0 दुर्ग सिंह चौहान, कुलपति जी0एल0ए0 विश्वविद्यालय, मथुरा
3. प्रो0 के0 मुरलीधर, प्रोफेसर, आई0आई0टी0 कानपुर
4. प्रो0 वीर सिंह, प्रोफेसर आई0आई0टी0 रुड़की

समस्त माननीय सदस्यों के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आगमन के उपरान्त कुलपति द्वारा सभी माननीय सदस्यों का स्वागत करते हुये आभार व्यक्त किया गया तथा कुलपति द्वारा माननीय कुलाधिपति/श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश के कार्यालय से कुलपति द्वारा सभा की अध्यक्षता विषयक प्राप्त निर्देश से सभा के माननीय सदस्यों को अवगत कराते हुये सभा की कार्यवाही प्रारम्भ की गयी।

तृतीय-01 मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर की सभा के दिनांक 19.4.2016 को सम्पन्न द्वितीय अधिवेशन के कार्यवृत्त का पुष्टिकरण।

सभा द्वारा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की सभा की दिनांक 19.4.2016 को सम्पन्न द्वितीय बैठक की कार्यवृत्त का पुष्टिकरण किया गया।

तृतीय-02 मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर की सभा के दिनांक 19.04.2016 को सम्पन्न द्वितीय अधिवेशन के कार्यवृत्त का क्रियान्वित विवरण।

सभा द्वारा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर के दिनांक 19.4.2016 को सम्पन्न हुयी सभा के द्वितीय अधिवेशन में लिए गए निर्णयों के क्रियान्वित विवरण से अवगत होते हुये कृत कार्यवाही पर संतोष व्यक्त किया गया।

तृतीय-03 <u>मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर की सभा की द्वितीय अधिवेशन के बाद हुयी गतिविधियों/प्रगति का प्रस्तुतिकरण व पुनर्विलोकन।</u>

मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर की सभा के द्वितीय अधिवेशन के बाद हुयी गतिविधियों, प्रगति का विस्तृत प्रस्तुतिकरण का पुनर्विलोकन किया गया। साथ ही सभा द्वारा विश्वविद्यालय की दिनॉक 19.4.2016 को सम्पन्न हुयी सभा की द्वितीय अधिवेशन के उपरान्त अब तक की निम्नलिखित के अनुसार सम्पादित हुयी प्रमुख गतिविधियों एवं विकास पर संतोष व्यक्त किया गया:-

1. विश्वविद्यालय में शिक्षकों एवं कर्मचारियों के समस्याओं के निवारण हेतु उनके साथ समूह में बैठक कर एवं पृथक-पृथक एक-एक शिक्षक के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं के निवारण हेतु कार्यवाही की गयी।

2. विश्वविद्यालय का गेट संख्या-1 जो विगत काफी दिनो से बन्द था को परिसर वासियों के पैदल आवागमन हेतु परिसर वासियों के अनुरोध पर खुलवाया गया।

3. छात्र हित में विश्वविद्यालय के शिक्षकों को कार्यालय कार्य हेतु निर्धारित समयों के अतिरिक्त समयों में लैब में बैठ कर कार्य किये जाने हेतु विभागीय भवनों को समय से पूर्व एवं पश्चात के समयों में खोले रखे जाने की व्यवस्था किया गया।

4. विश्वविद्यालय में शिक्षकों एवं कर्मचारियों के विभिन्न प्रकार के प्रकरणों के निस्तारण हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर एवं बोर्ड आफ मैनेजमेंट स्तर पर Faculty/Staff grievances Committee का गठन किया गया।

5. विश्वविद्यालय में कार्यरत महिलाओं की समस्याओं के निवाकरण एवं विकास हेतु विश्वविद्यालय में पूर्व से गठित महिला प्रकोष्ठ को नये सिरे से पुनर्गठित किया गया।

6. विश्वविद्यालय के संचालन में विभिन्न प्रकार की प्रशासनिक निर्णयों के पूर्व विचार-विमर्श एवं उसके क्रियान्वयन हेतु विश्वविद्यालय स्टीयरिंग समिति (USC) का गठन किया गया।

7. विश्वविद्यालय में कार्यरत शिक्षकों एवं छात्रों को विभिन्न संस्थाओं से प्रोजेक्ट हेतु वित्तीय सहायता प्राप्त किये जाने के लिए प्रोजेक्ट भेजने के लिए प्रेरणा दिये जाने हेतु दिनांक 8-11 जुलाई, 2017 को मालवीय रिसर्च कान्क्लेव-2017 का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्य नाथ जी महराज पधारे थे तथा इस कार्यक्रम में विभिन्न आई0आई0टी0, एन0आई0टी0 तथा डी0एस0टी0, ए0आई0टी बैंकाक के विद्वानो द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किये गये थे।

8. विश्वविद्यालय से संबंधित वाह्य संस्थाओं से विभिन्न प्रकार के संवाद किए जाने के उद्देश्य से तथा विभिन्न खबरों को मीडिया आदि को दिये जाने हेतु प्रथम एक शिक्षक को यूनिवर्सिटी रिलेशन आफिसर (URO) मनोनीत किया गया।

9. <u>शैक्षणिक (अध्यापन एवं शोध) कार्यों में परिवर्तन:</u>

1. वर्ष 2017-18 से शैक्षणिक कैलेण्डर में आई0आई0टी0 एवं एन0आई0टी0 की भाँति सुधार करते हुये विश्वविद्यालय हेतु सुसंगत ढाँचे में परिवर्तित किया गया। छात्र क्रिया कलाप कैलेण्डर पृथक किया गया जो कि शैक्षणिक कैलेण्डर के अनुरुप बनाया गया।

2. विश्वविद्यालय में अंशकालिक रुप में पीएच0डी0 कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया तथा नियमित पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश क्षमता दुगुनी की गयी।

3. विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को तनाव मुक्त रखने के उद्देश्य से उनके 3 माइनर टेस्ट के स्थान पर एक माइनर टेस्ट की व्यवस्था व आंतरिक मूल्यांकन आधारित छात्रों को उत्तीर्ण होने के लिए 40 प्रतिशत अंक की व्यवस्था की गयी। मेजर टेस्ट का मूल्य 50 प्रतिशत कर एक रुपता किया गया है।

4. विश्वविद्यालय में अध्ययनरत प्रथम वर्ष के छात्रों के परफारमेंस के आधार पर उनके द्वितीय वर्ष में शाखा परिवर्तन की व्यवस्था लागू की गयी।

5. विश्वविद्यालय में सत्र 2018-19 से एम0एस0सी0 (Electronics) पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाने का निर्णय लिया गया।

6. विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों के अनुत्तीर्ण होने की दशा में उनके लिये समर टर्म का अनुमोदन दिया गया।

7. विश्वविद्यालय में शोध को बढावा दिये जाने तथा शिक्षकों एवं छात्रों के आदान-प्रदान हेतु विभिन्न संस्थाओं से समझौता करार किया गया।

क. इ0एन0ई0ए0 इटली
ख. एडवांस्ड टेक. इण्डिया प्रा0लि0 चण्डीगढ
ग. उ0प्र0 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, लखनऊ
घ. राईक्यूस विश्वविद्यालय, जापान
ड. CSIR National Environmental Engineering Research Institute, Nagpur
च. BioAxix DNA Research Centre)P) Limited

8. विश्वविद्यालय के समस्त विभागों में शोध कर रहे शोधार्थियों के लिए प्रत्येक सेमेस्टर में रिसर्च स्कालर डे मनाये जाने की व्यवस्था लागू की गयी।

9. विश्वविद्यालय में अध्ययनरत बी0टेक0/एम0टेक0 के छात्रों को पेपर प्रस्तुत किये जाने के लिए जाने हेतु वित्तीय सहायता दिये जाने की व्यवस्था लागू की गयी। साथ ही इसी अनुरुप विश्वविद्यालय से सम्बद्ध अतिथि शिक्षकों को भी कान्फ्रेन्स आदि में प्रतिभाग किये जाने हेतु सहायता दिये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया।

10. <u>अवस्थापना सुविधायें</u>

1. विश्वविद्यालय के एल्युमनाई से संवाद एवं सम्पर्क सुदृढ किये जाने के उद्देश्य से एल्युमनाई कार्यालय स्थापित करके उसे क्रियान्वित किये जाने के साथ-साथ उसके संचालन हेतु एक बी0टेक0 उपाधिधारी व्यक्ति को तैनात किया गया।

2. प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, श्री योगी आदित्य जी महराज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय में वृहद वृक्षारोपण कराया गया।

3. 2000 की क्षमता के अपूर्ण आडिटोरियम का कार्य पूर्ण कराये जाने तथा 32 आवासों के निर्माण एवं बैंक हेतु पृथक भवन का निर्माण कराया जा रहा है।

4. विश्वविद्यालय में चिकित्सालय विस्तार, कैफेटेरिया विस्तार एवं गैराज निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गयी।

11. विश्वविद्यालय में कार्यरत शिक्षकों एवं कर्मचारियों में से 30 वर्ष एवं उससे अधिक की सेवा पूर्ण कर चुके शिक्षकों एवं कर्मचारियों को 15 अगस्त, 2017 को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार यह प्रतिवर्ष दिया जायेगा।

12. विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण गतिविधियों को विश्वविद्यालय के प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित किया गया।

13. विश्वविद्यालय में अतिथि शिक्षकों एवं नियमित शिक्षकों के चयन हेतु पारदर्शी व्यवस्था के अन्तर्गत चयन की कार्यवाही पूर्ण करायी गयी।

14. माननीय कुलाधिपति/श्री राज्यपाल जी की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षान्त समारोह दिनांक 11 सितम्बर, 2017 को आयोजित कराया गया। दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के यशस्वी माननीय मुख्यमंत्री, श्री योगी आदित्य नाथ जी महराज, विशिष्ट अतिथि, प्राविधिक शिक्षा मंत्री, श्री आशुतोष टण्डन "गोपाल जी" तथा विशिष्ट अतिथि के रुप में प्रो0 दुर्ग सिंह चौहान, संस्थापक कुलपति, उ0प्र0 प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ एवं सचिव, प्राविधिक शिक्षा विभाग, श्री भुवनेश कुमार विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित रहे।

15. विश्वविद्यालय की चतुर्थ वर्षगाँठ एवं स्थापना दिवस कार्यक्रम दिनांक 1 दिसम्बर, 2017 को आयोजित कराया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में ई0 ए0पी0 मित्तल (एल्युमनाई 1975 बैच), सदस्य सचिव, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली तथा ई0 राम कुमार, महाप्रबन्धक, एच0यू0आर0एल0, गोरखपुर विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित रहे।

16. विश्वविद्यालय वेबसाइट के माध्यम से पेपरलेस कार्य प्रणाली लागू की गयी।

17. विश्वविद्यालय के छात्रों की विभिन्न प्रशासनिक समितियों में भागीदारी सुनिश्चित करायी गयी।

18. विश्वविद्यालय हेतु तीन अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय योजनाओं की स्वीकृति प्राप्त हुयी।

- Indo-US project of 50 Crores (with 10 IITs)
- Indo-UK project of 30 lakhs (with IIT Gandhinagar)
- Indo-German project of 110 Lakhs (with IIT Gandhinagar)

19. विश्वविद्यालय में स्थापित डिजाइन इनोवेशन एण्ड इनक्यूबेशन सेंटर में अभ्यर्थियों की क्षमता बढाने हेतु उसको पुनर्गठित किया गया।

20. विश्वविद्यालय द्वारा गोरखपुर में आयी भीषण बाढ़ से पीड़ित बाढ़ पीड़ितों के सहायतार्थ आर्थिक सहायता प्रदान की गयी, जिसमें विश्वविद्यालय महिला क्लब एवं छात्रों द्वारा भी आर्थिक सहायता प्रदान की गयी। विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों द्वारा पीड़ितों के सहायतार्थ एक दिन का वेतन दान स्वरुप दिया गया।

21. <u>विश्वविद्यालय में वर्तमान में निम्न प्रमुख आधारभूत सुविधायें निर्माणाधीन हैं:-</u>

1. 240 की क्षमता के अम्बेडकर भवन छात्रावास का निर्माण कार्य
2. 2000 क्षमता के आडीटोरियम का निर्माण कार्य
3. 240 क्षमता के पुरुष छात्रावास का निर्माण कार्य
4. चहारदीवारी का निर्माण कार्य
5. रमन भवन छात्रावास के विस्तार एवं उच्चीकरण का कार्य
6. सुभाष भवन छात्रावास के विस्तार एवं उच्चीकरण का कार्य
7. स्टेडियम निर्माण का कार्य
8. 7 क्लास रुम निर्माण का कार्य
9. इलेक्ट्रिकल डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम

22. विश्वविद्यालय द्वारा रिक्त पड़े शिक्षकों के पदों का विज्ञापन माह जून, 2017 में प्रकाशित कर निर्धारित चयन प्रक्रिया पूर्ण करते हुये दिनांक 8, 9 एवं 10 दिसम्बर, 2017 को सम्पन्न हुयी चयन समितियों की बैठकों द्वारा संस्तुत व प्रबन्ध बोर्ड के अनुमोदनोपरान्त कुल 18 नये शिक्षकों की नियुक्ति की जा चुकी है।

23. विश्वविद्यालय द्वारा 19 अप्रैल, 2016 के बाद से अब तक प्रबन्ध बोर्ड की 7 बैठकें, वित्त समिति की 4 बैठकें, विद्या परिषद की 6 बैठकें तथा परीक्षा समिति की 2 बैठकें, भवन एवं कार्य समिति की 01 बैठक तथा आई0क्यू0ए0सी0 की 02 बैठकें सम्पन्न कराते हुये सुचारु संचालन किया जा रहा है।

24. विश्वविद्यालय की सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे शिक्षकों एवं कर्मचारियों को उनकी सेवा निवृत्ति की तिथि के दिन विश्वविद्यालय स्तर से उनकी विदाई का आयोजन करते हुये स्मृति स्वरुप उन्हें स्मृति चिन्ह देकर विदा किये जाने की कार्यवाही किया जा रहा है।

तृतीय-04 **मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर की प्रबन्ध बोर्ड की दशम् बैठक के कार्यवृत्त का पुनर्विलोकन।**

सभा द्वारा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचालन के संबंध में विश्वविद्यालय के प्रबन्ध बोर्ड द्वारा दशम् बैठक में लिये गये निर्णयों एवं कृत कार्यवाही का पुनर्विलोकन किया गया।

तृतीय-05 **मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर की प्रबन्ध बोर्ड की ग्यारहवीं बैठक के कार्यवृत्त का पुनर्विलोकन।**

सभा द्वारा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचालन के संबंध में विश्वविद्यालय के प्रबन्ध बोर्ड द्वारा ग्यारहवीं बैठक में लिये गये निर्णयों एवं कृत कार्यवाही का पुनर्विलोकन किया गया।

तृतीय-06 **मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर की प्रबन्ध बोर्ड की बारहवीं बैठक के कार्यवृत्त का पुनर्विलोकन।**

सभा द्वारा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचालन के संबंध में विश्वविद्यालय के प्रबन्ध बोर्ड द्वारा बारहवीं बैठक में लिये गये निर्णयों एवं कृत कार्यवाही का पुनर्विलोकन किया गया।

तृतीय-07 **मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर की प्रबन्ध बोर्ड की 2017/01 संख्या त्रयोदश बैठक के कार्यवृत्त का पुनर्विलोकन।**

सभा द्वारा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचालन

के संबंध में विश्वविद्यालय के प्रबन्ध बोर्ड द्वारा 2017/01 त्रयोदश बैठक में लिये गये निर्णयों एवं कृत कार्यवाही का पुनर्विलोकन किया गया।

तृतीय-08 <u>मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर की प्रबन्ध बोर्ड की 2017/02 संख्या चतुर्दश बैठक के कार्यवृत्त का पुनर्विलोकन।</u>

सभा द्वारा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचालन के संबंध में विश्वविद्यालय के प्रबन्ध बोर्ड द्वारा 2017/02 चतुर्दश बैठक में लिये गये निर्णयों एवं कृत कार्यवाही का पुनर्विलोकन किया गया।

तृतीय-09 <u>मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर की प्रबन्ध बोर्ड की 2017/03 संख्या पंचदश बैठक के कार्यवृत्त का पुनर्विलोकन।</u>

सभा द्वारा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचालन के संबंध में विश्वविद्यालय के प्रबन्ध बोर्ड द्वारा 2017/03 पंचदश बैठक में लिये गये निर्णयों एवं कृत कार्यवाही का पुनर्विलोकन किया गया।

तृतीय-10 <u>मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर की प्रबन्ध बोर्ड की 2017/04 संख्या सोलहवीं बैठक के कार्यवृत्त का पुनर्विलोकन।</u>

सभा द्वारा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचालन के संबंध में विश्वविद्यालय के प्रबन्ध बोर्ड द्वारा 2017/04 सोलहवीं बैठक में लिये गये निर्णयों एवं कृत कार्यवाही का पुनर्विलोकन किया गया।

तृतीय-11 <u>मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर की वार्षिक लेखाओं का अवलोकन।</u>

सभा द्वारा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की वार्षिक लेखाओं का पुनर्विलोकन किया गया।

तृतीय-12 <u>अध्यक्ष की अनुमति से अन्य मद।</u>

सभा के निम्नलिखित सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय के समुचित विकास एवं आई0आई0टी0/एन0आई0टी0 की भाँति अपनी पहचान बनाये रखने हेतु निम्नलिखित सुझाव दिये गये:-

1. <u>प्रो0 राजीव त्रिपाठी, निदेशक, एम0एन0एन0आई0टी0 इलाहाबाद के सुझाव</u>

1. विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा मालवीय इन्ट्रेन्स टेस्ट (MET) को JEE Mains की भाँति Syncronized किया जाये।

2. विश्वविद्यालय में संचालित समस्त गतिविधियों का मास्टर प्लान तैयार कराकर उक्त के अनुसार कार्यवाही की जाये।

2. <u>प्रो0 संजय कुमार सिंह, आई0आई0एम0, लखनऊ के सुझाव</u>

1. विश्वविद्यालय में अध्ययनरत बी0टेक0 एवं एम0टेक0 के छात्रों के परीक्षा प्रश्न-पत्रों की गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार लाया जाय।

2. विश्वविद्यालय में अन्य संस्थानों की भाँति Dual Degree Programme प्रारम्भ कराया जाय।

3. विश्वविद्यालय में इकोनामिक्स, साइकालजी, सोसियोलाजी, लिबरल आर्ट एवं फाइन आर्ट के पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जायं।

3. <u>प्रो0 कृपा शंकर, आई0आई0टी0 कानपुर के सुझाव</u>

1. प्रो0 कृपा शंकर द्वारा विश्वविद्यालय के समुचित संचालन हेतु कुलपति द्वारा किये जा रहे कार्यकलापों/प्रयासों की सराहना करते हुये संतोष व्यक्त किया गया तथा भविष्य के लिए सुझाव दिये गये कि शिक्षकों का चयन गुणवत्ता एवं उपयुक्तता के आधार पर किया जाय, जिससे अच्छे शिक्षक उपलब्ध हो सकें।

2. विश्वविद्यालय में अध्यापन कार्य हेतु अनुबंधित किये जाने वाले शिक्षकों के चयन में विशेष सावधानी बरतते हुये **Inbreeding** को कम किये जाने पर जोर दिया जाय।

3. विश्वविद्यालय में छात्र/छात्राओं की बढ़ती हुयी संख्या को ध्यान में रखते हुये आई0आई0टी0 एवं एन0आई0टी0 की भाँति काउन्सिलिंग सर्विसेज की स्थापना किया जाय।

4. विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विभागों द्वारा छात्र हित में Curriculum Development पर विशेष ध्यान दिया जाय।

5. विश्वविद्यालय में Entrepreneurship Cell की स्थापना किये जाने पर विशेष ध्यान दिया जाय।

6. प्रो0 कृपाशंकर द्वारा विश्वविद्यालय के एल्युमनाई की गतिविधियों की प्रशंसा करते हुये यह सुझाव दिया गया कि वे इन्हें विश्वविद्यालय से जुड़े रहने हेतु प्रयास किया जाय।

7. विश्वविद्यालय अपना कम से कम तीन उद्देश्य निर्धारित करे, जिससे भविष्य में विश्वविद्यालय को अपनी पहचान बना सके।

अन्त में बैठक धन्यवाद ज्ञापनोपरान्त समाप्त हुयी।

(प्रो0 श्री निवास सिंह)
कुलपति
मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
गोरखपुर